# University in News on 02 December 2020

## HINDUSTAN PAGE 5

# एलयू: दिसंबर के अन्तिम सप्ताह में बैकपेपर परीक्षाएं

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में बैक पेपर परीक्षाएं दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह से कराई जाएंगी। तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बैक पेपर परीक्षा के लिए 10 दिसम्बर तक फार्म भरवाए जाएंगे। उसके बाद परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी होगा। बता दें कि यह बैकपेपर परीक्षाएं पहले अगस्त सितम्बर में हुआ करती थी। कोरोना संक्रमण के चलते पहले परीक्षाओं और अब बैक पेपर परीक्षाओं में भी देरी हुई है।

बैक पेपर परीक्षाओं के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं जनवरी के अंतिम सप्ताह में कराने की तैयारी है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि विषम सेमेस्टर की ज्यादातर कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन हो रहा है। सिलेबस पूरा हो रहा है। इस संबंध में सभी विभागों से रिपोर्ट भी मांगी है। उसके आधार पर सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम तय किया जाएगा। उम्मीद है कि जनवरी में परीक्षाएं कराई जाएंगी।

### सात दिसम्बर से ऑफलाइन क्लास

एलयू में ऑफलाइन क्लास की शुरुआत 7 दिसम्बर से होगी। विभागाध्यक्षों की बैठक में फैसला लिया गया। सभी विभागाध्यक्षों को अपने स्तर पर टाइम टेबल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी विभागों के टाइम टेबल बुधवार तक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। कक्षाएं हाईब्रिड मॉडल पर चलेंगी या 50-50 मॉडल पर इसको लेकर फैसला नहीं किया है। डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कई पाठ्यक्रमों में प्रैक्टिकल कक्षाएं होती हैं। कई में सिर्फ थ्योरी। एक फार्मूला तय कर पाना संभव नहीं है।

# अब तक याद आती है बसंती चाची की चाय...

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल — कुछ यादें कुछ किस्से (13)

1997 में बीए में दाखिला हुआ। हिंदी, प्राचीन भारतीय इतिहास और राजनीति शास्त्र पढ़ने आए थे। बाद में, समाजशास्त्र से पीजी किया। उस समय संतोष सिंह हम लोगों के संरक्षक हुआ करते थे।

उन्होंने ही लाल बहादुर शास्त्री हॉस्टल में कमरा दिलवाया। हम 156 नम्बर कमरे में रहे। 157 में वह रहते थे। हॉस्टल की वो यादें आज भी जहन में वैसे ही ताजा हैं। उस समय एक बसंती चाची हुआ करती थीं। उनका चाय का ठेला काफी मशहूर था। वो हॉस्टल के बाहर दुकान लगाती थीं। हमारे दिन की शुरुआत उनकी चाय और बन मक्खन से होती। उनकी चाय के बिना दिन अधूरा रहता।

बीए में कभी क्लास नहीं छोड़ी। लेकिन इस दौरान तय कर लिया था कि छात्र राजनीति में जाना है। इसकी पाठशाला छात्रावास से चलती। दिन में क्लास करने के बाद रात में सीनियर छात्रनेताओं के साथ बैठते। कई बार तो रात में दो-दो तीन-तीन बजे तक यह क्लास चलती। वहां एक चीज समझ में आई कि अगर राजनीति करनी है तो छात्रों और उनकी समस्याओं से व्यक्तिगत रूप से जुड़ना होगा। बस इसी बात की गांठ बांध ली।



आशीष सिंह आशू

छात्रावास जीवन में सीखा यह पाठ आज राजनीति में भी काम आया। छात्रावास में बने वो रिश्ते आज भी साथ हैं। चाहें शैलू जी हों या धरेन्द्र बहादुर सिंह...। ये सभी हमारे सीनियर रहे हैं। आज भी विधानभवन में जब कभी मुलाकात होती है तो छात्रावास के रिश्तों के कारण झुककर पैर छूते हैं। छात्रावास की वो यादें आज भी वैसे ही ताजा हैं।

**आशीष सिंह आशू**, विधायक

# नेट जेआरएफ में 50 से ज्यादा होनहार सफल

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से मंगलवार को नेट/जेआरएफ के नतीजे जारी कर दिए गए हैं। इन नतीजों में शहर के होनहारों ने सफलता हासिल की है। मंगलवार देर रात तक मिली सूचना के मुताबिक लखनऊ विश्वविद्यालय के 40 से ज्यादा छात्र-छात्राएं इसमें सफल हुए हैं। इनके साथ ही कई महाविद्यालयों के छात्रों ने भी इसमें सफलता पाई है।

नेशनल पीजी कॉलेज के छात्र मुकेश कुमार नेट और जेआरएफ दोनों में सफल हुए हैं। बप्पा श्री नारायण वोकेशन डिग्री कॉलेज के छात्र अजीत कुमार ने हिंदी विषय से जेआरएफ में सफल अभ्यर्थियों की सूची में जगह बनाई है। रजत पीजी कॉलेज के करीब 14 छात्र-छात्राओं ने सफलता पाई है। प्रबंधक आरजे सिंह ने बताया कि देवेन्द्र कुमार, प्राची लाल, अंकित कुमार लोधी समेत अन्य नाम इस सूची में शामिल हैं।

एलयू के समाजशास्त्र विभाग के एमए तृतीय सेमेस्टर और एमए चतुर्थ सेमेस्टर के करीब 10 होनहारों ने सफलता पाई है। प्रो. डीआर साहू ने बताया कि एमए तृतीय सेमेस्टर में प्रभात मिश्रा, मानसी वर्मा और रजनीश सिंह सफल रहे हैं। इसी तरह, अर्थशास्त्र



विभाग में कृतिका चावला, राहुल कनौजिया और मरियम खान ने जेआरएफ क्वालीफाई किया है। सत्यानंद त्रिपाठी और अनुवेश सिंह नेट में सफल रहे हैं।

विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में मेघना और शिवांगी मिश्रा ने सफलता पाई है। वहीं, पर्यटन विभाग में सक्षिमा ने सफलता पाई है।

शारीरिक शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. नीरज जैन ने बताया कि उनके विभाग के प्रिंस विशाल दीक्षित ने जेआरएफ में सफलता पाई है। वहीं, नेट में प्रमेन्द्र मिश्रा और मो. सलमान मंसूरी ने सफलाई पाई। समाज कार्य विभाग में छात्र विदूषी शुक्ला सफल रही हैं। एमएड द्वितीय वर्ष की पूजा यादव व अपूर्व शर्मा, अरेबिक विभाग में बुशरा, हिना, महताब सफल रहे हैं। एजुकेशन विभाग से अंकित गौतम, दीपक गुप्ता, विनोद यादव, रजनी, नेहा साहू, सना, उत्कर्ष और कुसुम सफल रहे।

## AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# लविवि में सात से चलेंगी सामान्य कक्षाएं

## वाणिज्य संकाय में दो दिन क्लास, बाकी संकायों में कक्षाओं के संचालन पर फैसला आज

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सामान्य कक्षाओं का संचालन सात दिसंबर से किया जाएगा। वाणिज्य संकाय में सामान्य कक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिन बुलाया जाएगा। बाकी दिन पहले की तरह ऑनलाइन कक्षाएं चलेंगी। फिलहाल आधी क्षमता के हिसाब से ही कक्षा चलेगी। सप्ताह में दो दिन का बंटवारा भी इस तरह किया जाएगा, जिससे हर विद्यार्थी को एक दिन सामान्य क्लास करने का मौका मिले।

आधा सेक्शन एक दिन और आधा दूसरे दिन शामिल होगा। लविवि में मंगलवार को सामान्य कक्षाओं के संचालन को लेकर हुई बैठक में यह सहमति बनी। वहीं बाकी संकायों में सामान्य कक्षाओं के संचालन पर फैसला बुधवार को होगा। सरकार के निर्देश पर डिग्री स्तर की कक्षाओं के संचालन की प्रक्रिया 23 नवंबर से शुरू की गई है। लविवि में उस समय शताब्दी समारोह चल रहा था। इससे विवि ने अब तक सामान्य कक्षाएं चलाने पर कोई फैसला नहीं लिया था। इस समय लविवि में इंटरनल परीक्षा भी चल रही है। इसलिए विवि ने अपनी सामान्य कक्षाएं सात दिसंबर से शुरू करने का निर्णय लिया है। साथ ही इस बात पर भी चर्चा हुई कि किस अनुपात या तरीके से विद्यार्थियों को बुलाया जाए, ताकि कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन भी किया जा सके।

वाणिज्य संकाय ने इस विषय को लेकर विश्वविद्यालय में मंगलवार को हुई बैठक में ही स्पष्ट कर दिया कि संकाय में सप्ताह में सिर्फ दो दिन ही सामान्य कक्षाएं होंगी। वहीं कला और विज्ञान संकाय ने इस पर बुधवार को बैठक बुलाने की बात कही है। इसमें तय किया जाएगा कि विद्यार्थियों को किस अनुपात में सामान्य कक्षाओं के लिए बुलाया जाय, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिकतम कक्षाएं चलाई जा सकें।

### विज्ञान प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को कम मिलेगा मौका

विज्ञान संकाय में सबसे बड़ी समस्या प्रैक्टिकल क्लास की है। इसे देखते हुए विवि में परास्नातक के प्रैक्टिकल जारी हैं। उन्हें सप्ताह में दो दिन के बजाय छह दिन लैब के उपयोग की अनुमति है। लविवि में इस समय जारी व्यवस्था के अनुसार बीएससी प्रथम सेमेस्टर में एक भी प्रैक्टिकल परीक्षा नहीं है। इसको देखते हुए ऐसा फैसला किया जा सकता है कि द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को ज्यादा ऑफलाइन क्लास का मौका मिले, ताकि उनके प्रैक्टिकल कराए जा सकें। प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के पास बाद में भी क्लास करने का मौका रहेगा।

### छात्रावास में एक कमरे में एक विद्यार्थी

लविवि में राजधानी से बाहर के काफी विद्यार्थी पढ़ते हैं। वे यहां छात्रावास या फिर किराए पर कमरा लेकर रहते हैं। विवि ने छात्रावास आवंटन के लिए भी गाइडलाइन तैयार की है। इसके अनुसार फिलहाल एक कमरे में एक छात्र के हिसाब से आवंटन होगा। विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने या फिर स्थिति सामान्य होने पर व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा।

### शिल्पकला संकाय में तीन दिन क्लास का मौका

लविवि के शिल्प कला महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सप्ताह में तीन दिन क्लास का मौका मिलेगा। यहां विद्यार्थियों की संख्या सीमित है और उनकी क्लास का स्वरूप भी ऐसा है कि क्लासरूम के बजाय प्रैक्टिकल का भाग ज्यादा होता है। इसे देखते हुए तय किया गया कि वहां पर एक विद्यार्थी को सप्ताह में कम से कम तीन दिन क्लास का मौका मिले।

*इंटरनल परीक्षाएं चलने की वजह से विवि में सामान्य कक्षाओं का संचालन सात दिसंबर से शुरू होगा। वाणिज्य संकाय में सप्ताह में दो दिन कक्षाएं चलेंगी, जबकि कला एवं विज्ञान संकाय में बुधवार को इस पर कोई फैसला होगा। -डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि*

### लविवि में 21 तक भरें परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 21 दिसंबर निर्धारित की है। इसमें नियमित और बैकपेपर परीक्षा के परीक्षा फार्म भी शामिल हैं। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तारीख बाद में घोषित की जाएगी। विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने के बाद उसका प्रिंट आउट संबंधित कॉलेज में जमा करना होगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएन सक्सेना ने बताया कि लविवि परिसर के विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरना है, लेकिन उन्हें इसकी फीस नहीं जमा करनी है।

## RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

# सात से ऑफलाइन क्लासेस चलाने को लेकर विश्वविद्यालय ने जारी किए निर्देश



लखनऊ (एसएनबी)। सात दिसंबर से ऑफलाइन कक्षाएं चलाने को लेकर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन और विभागाध्यक्षओं की एक अहम बैठक हुई, जिसमें सभी विभागाध्यक्षों से कहा गया है कि वह कक्षाएं चलाने को लेकर कोविड-19 से बचाव के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए टाइम टेवल वेवसाइट पर चस्पा कर दें, जिससे छात्र टाइम टेवल के हिसाव से ही विश्वविद्यालय आकर ऑफलाइन कक्षाओं में भाग ले सकें।

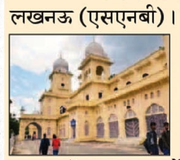

## PIONEER PAGE 3

# आज से एलयू में लगेंगी रेगुलर कक्षाएं, 50 फीसदी छात्र ही आएंगे परिसर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोरोना** संक्रमण के चलते तकरीबन आठ माह से आम छात्रों के लिए बन्द लखनऊ विश्वविद्यालय के ताले बुधवार से खुल जाएंगे। हालांकि केवल 50 फीसदी स्टूडेंट्स ही कैम्पस आएंगे। जबकि ऑनलाइन मोड पर विवि प्रशासन पढ़ाई जारी रखेगा। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी में एग्जाम पर फोकस करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सबसे पहले ग्रेजुएशन के

### दिसम्बर के अंत तक होंगी बैक पेपर की परीक्षाएं

विभिन्न कोर्सेज की बैक पेपर एग्जाम भी कराने का निर्णय लिया है। बैक पेपर एग्जाम दिसंबर के अंतिम सप्ताह में होंगे। दरअसलए स्नातक समेत अन्य कोर्सेज के बैक पेपर एग्जाम हर साल अगस्त सितंबर में आयोजित होते थे। मगर इस बार कोरोना संक्रमण के चलते फाइनल एग्जाम देर से हुए। इसके चलते बैक पेपर एग्जाम को भी आगे बढ़ाना पड़ा। यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा बैक पेपर एग्जाम के लिए फार्म भरवाया जा रहा है। फार्म भरने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर निर्धारित है। इसके बाद दिसंबर के अंतिम सप्ताह में बैक पेपर एग्जाम आयोजित की जाएंगी। फिलहाल, परीक्षाओं को लेकर विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो एएम सक्सेना का कहना है कि स्नातक के फाइनल कोर्सेज के बैक पेपर एग्जाम को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यूजी के ऑड सेमेस्टर का कोर्स भी लगभग पूरा हो चुका है। हमारा पूरा प्रयास है कि जनवरी के अंत में ऑड सेमेस्टर के एग्जाम पूरा करा लें।

## JAGRAN CITY PAGE III

# लविवि : इस माह के अंत तक बैक पेपर

शताब्दी वर्ष समारोह के भव्य आयोजन के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय ने परीक्षाओं पर फोकस करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने सबसे पहले स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों की बैक पेपर कराए जाने का निर्णय लिया है। बैक पेपर दिसंबर के अंतिम सप्ताह में होंगी।

दरअसल, स्नातक (बीए, बीएससी, बीकॉम) समेत अन्य वार्षिक पाठ्यक्रमों की बैक पेपर परीक्षाएं हर वर्ष अगस्त-सितंबर में होती रही हैं, मगर इस बार कोरोना संक्रमण के चलते वार्षिक परीक्षाएं देर से हुईं। इसके चलते बैक पेपर परीक्षाओं को भी आगे बढ़ाना पड़ा। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बैक पेपर के लिए फार्म भरवाया जा रहा है। फार्म भरने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर निर्धारित है। इसके बाद दिसंबर के अंतिम सप्ताह में बैक पेपर परीक्षाएं आयोजित होंगी।

### जनवरी के अंत में सेमेस्टर परीक्षाएं

बैक पेपर परीक्षाओं के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं जनवरी के अंतिम सप्ताह में कराए जाने की तैयारी है।

### सात दिसंबर से लगेंगी आफलाइन कक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय में आफलाइन कक्षाएं सात दिसंबर से शुरू होंगी। यह निर्णय विश्वविद्यालय में हुई विभागाध्यक्षों की बैठक में लिया गया।

विभागाध्यक्षों को अपने स्तर पर टाइम टेबल बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। लविवि प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी विभागों के टाइम टेबल बुधवार तक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। कक्षाएं हाईब्रिड माडल पर चलेंगी या 50-50 माडल पर, इसे लेकर अभी विवि की ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया है। डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कई पाठ्यक्रमों में प्रैक्टिकल कक्षाएं और कई में सिर्फ थ्योरी होने के कारण यह तय कर पाना संभव नहीं है। ऐसे में विभागाध्यक्षों की बैठक में उन्हें अपने पाठ्यक्रम के हिसाब से खुद तय करने की छूट दी गई है। इस पर बुधवार तक स्थिति तय हो जाएगी।

"स्नातक के वार्षिक पाठ्यक्रमों की बैक पेपर परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। स्नातक के विषम सेमेस्टर का कोर्स भी लगभग पूरा हो चुका है। हमारा पूरा प्रयास है कि जनवरी के अंत में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू कर दी जाएं।

आनंद मुरारी सक्सेना, प्रोफेसर, लविवि

## AMRIT VICHAR PAGE 3

# लविवि में बैक पेपर परीक्षाएं 26 से

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बैक पेपर के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि जारी कर दी है। छात्र अब 10 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, इसके बाद उनके आवेदन को स्वीकार नहीं किया जायेगा। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार शताब्दी समारोह मानेय जाने के कारण बैक पेपर परीक्षाएं देरी से हो रही हैं, जो छात्र बैक पेपर परीक्षा देना चाहते हैं उनके पास सिर्फ दस दिसंबर तक मौका है। उन्होंने कहा कि वहीं बैक पेपर परीक्षाएं 26 दिसंबर से होगी। परीक्षा पहले वेबसाइट पर पूरा टाइम शेड्यूल भी वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

### शुरू हुई विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं की तैयारी

बैक पेपर परीक्षाओं के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी है। इसके तहत तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 जनवरी से कराये जाने की तैयारी है।

### अभी तक अगस्त और सितंबर में होती रही हैं परीक्षाएं

विश्वविद्यालय में अभी तक बीए, बीएससी, बीकॉम समेत की बैक पेपर परीक्षाएं अगस्त से सितंबर तक होती है, लेकिन इस बार कोरोना के चलते वार्षिक परीक्षाएं लेट हो गयी, इसी बीच विश्वविद्यालय का शताब्दी समारोह आ गया ऐसे में बैक पेपर की तिथियों को आगे बढ़ाना पड़ा।

## i-NEXT PAGE 4

# दिसंबर लास्ट में एलयू के बैक पेपर

### आज से यूनिवर्सिटी में 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स संग क्लासेस

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (1 Dec): एलयू बुधवार से रेगुलर क्लासेस शुरू करेगा. यूनिवर्सिटी प्रशासन शासन के नियम के अनुसार 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स के साथ ऑफलाइन मोड में क्लासेस शुरू करने जा रहा है. इसके साथ ही यूनिवर्सिटी ने एग्जाम पर फोकस करना शुरू कर दिया है. इसी क्रम में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सबसे पहले ग्रेजुएशन के विभिन्न कोर्सेज के बैक पेपर एग्जाम कराने का निर्णय लिया है. एग्जाम दिसंबर के लास्ट वीक में होंगे. दरअसल, यूजी (बीए, बीएससी, बीकॉम) समेत अन्य कोर्सेज के बैक पेपर हर साल अगस्त-सितंबर में होते थे. इस बार कोरोना के चलते फाइनल एग्जाम देर से हुए हैं. बैक पेपर एग्जाम को भी आगे बढ़ाना पड़ा. यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा बैक पेपर एग्जाम के लिए फॉर्म भरवाये जा रहे हैं. फॉर्म भरने की लास्ट डेट 10 दिसंबर निर्धारित है. इसके बाद दिसंबर के अंतिम सप्ताह में बैक पेपर एग्जाम होंगे.

CONCEPT PIC



### जनवरी के अंत में सेमेस्टर

बैक पेपर एग्जाम के साथ ही लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने यूजी के विभिन्न कोर्सेज के विषम सेमेस्टर के एग्जाम को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी है. इसके तहत तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के एग्जाम जनवरी के लास्ट वीक में कराने की तैयारी है.

"यूजी के फाइनल कोर्सेज के बैक पेपर को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. यूजी के ऑड सेमेस्टर का कोर्स भी लगभग पूरा हो चुका है. हमारा पूरा प्रयास है कि जनवरी के अंत में ऑड सेमेस्टर के एग्जाम पूरे करा लें.

प्रो. एएम सक्सेना, एग्जाम कंट्रोलर, एलयू

## DAINIK JAGRAN PAGE 4

# जेआरएफ में छाए शहर के मेधावी

जागरण संवाददाता, लखनऊ : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार को नेट-जेआरएफ का रिजल्ट जारी कर दिया। इस बार भी परीक्षा में शहर के मेधावियों का दबदबा रहा। इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के 50 से ज्यादा विद्यार्थी सफल हुए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के एमए तृतीय सेमेस्टर और एमए चतुर्थ सेमेस्टर के करीब एक दर्जन विद्यार्थी सफल हुए हैं। प्रो. डीआर साहू ने बताया कि एमए तृतीय सेमेस्टर में प्रभात मिश्रा, मानसी वर्मा और रजनीश सिंह सफल हुए हैं। अर्थशास्त्र विभाग में कृतिका चावला, राहुल कनौजिया और मरियम खान ने जेआरएफ क्वालीफाई किया है। सत्यानंद त्रिपाठी और अनुवेश सिंह नेट में सफल रहे हैं। विश्वविद्यालय के सांख्यिकीय विभाग में मेघना और शिवांगी मिश्रा ने सफलता पाई है। लविवि के शारीरिक शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. नीरज जैन के मुताबिक विशाल दीक्षित जेआरएफ में सफल रहे हैं। नेशनल पीजी कॉलेज के मुकेश कुमार नेट और जेआरएफ दोनों में बप्पा श्री नारायण वोकेशन डिग्री कॉलेज के अजीत कुमार ने हिंदी विषय से जेआरएफ में सफलता हासिल की है।